समय २.३० घंटे **कुल अंक: ७५**

सूचना: १.सभी प्रश्न अनिवार्य |
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं |

(कृपया जांचे कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है कि नहीं)

प्रश्न १. **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो के सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए |** **(३०)**

क. 'तू कसम खा जा कि तू ने
हीरा को गाय की नाँद के पास खडे नहीं देखा?'
'हाँ, मैंने नहीं देखा, कसम खाता हूँ।'
'बेटे के खूबसूरत पर हाथ रखके सलाम खा।

ख. चुटकी बजा के हजारों वर्ष की संस्कृति को उड़ाया नहीं जा सकता। हम यह नहीं कह सकते कि हममें दोष नहीं है। दोष एक-दो हैं? हमने कम पाप किए हैं। करोड़ों को हमने अनजान में नीच बना रखा है, करोड़ों को जानबूझकर पैरों तले दबा रखा है और करोड़ों को हमने उपेक्षा से महान संदेशों के अयोग्य समझ रखा है। नतीजा यह होता है कि जब हम आगे बढ़ने लगते हैं तब कुछ लोग नीचे की ओर खींचते हैं जिन्हें पैरों तले दबाया है, वह कैसे आगे बढ़ने देंगे?

ग. "पहचानते हो ये किस की तस्वीरें हैं? जमीला ने पीछे से मेज पर चाय रखते हुए पूछा। युनूस ने उसकी ओर देखा और चुप रहा। शायद उसने चुप्पी से यह जताया कि ये तस्वीरें किसकी हैं, यह जानकर उसे अधिक आश्चर्य नहीं होगा।"

प्रश्न २. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर विस्तार में लिखो |** **(३०)**

च. 'गोदान' उपन्यास की पात्र-योजना पर प्रकाश डालिए।
छ. 'ठाकुरजी की बटोर' निबंध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
ज. 'लड़कियाँ' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न ३. **निम्नलिखित मुद्दों पर टिप्पणी कीजिए** **(१५)**

ट. प्रोफेसर मेहता का चरित्र चित्रण |

अथवा

रायसाहब अमरपाल सिंह का चरित्र-चित्रण |

ठ. 'आम फिर बौरा गये' निबन्ध का प्रतिपद्य |

अथवा

'शिरीष के फूल' निबन्ध का प्रतिपद्य |

ड. 'पुरस्कार' कहानी का उद्देश्य |

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी का उद्देश्य |

XROYADMINY0A04F4XROYADMINY0A04F4XROYADMINY0A04F4XROYADMINY0A04F4